

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 719]

नवा रायपुर, मंगलवार, दिनांक 16 सितम्बर 2025 — भाद्र 25, शक 1947

विधि और विधायी कार्य विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 16 सितम्बर 2025

क्र. 6217/डी. 133/21-अ/प्रारू./छ.ग./25. — छत्तीसगढ़ विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम, जिस पर दिनांक 21-08-2025 को राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, एतद्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्र कुमार कश्यप, अतिरिक्त सचिव.

छत्तीसगढ़ अधिनियम

(क्रमांक 24 सन् 2025)

छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी (संशोधन) अधिनियम, 2025.

छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 (क. 24 सन् 1973) को और संशोधित करने हेतु अधिनियम।

भारत गणराज्य के छिहत्तरवें वर्ष में छत्तीसगढ़ विधान मण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

1. (1) यह अधिनियम छत्तीसगढ़ कृषि उपज मण्डी (संशोधन) अधिनियम, 2025 कहलायेगा। संक्षिप्त नाम,
विस्तार
तथा प्रारम्भ.
 - (2) इसका विस्तार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा।
 - (3) यह राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।
2. छत्तीसगढ़ कृषि उपज मण्डी अधिनियम, 1972 (क. 24 सन् 1973) (जो इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम के रूप में निर्दिष्ट है) की धारा 31 में, शब्द "निजी किसान उपभोक्ता प्रांगण" के पश्चात् तथा शब्द "या टर्मिनल मार्केट कॉम्प्लेक्स" के पूर्व शब्द "या निजी ई-व्यापार मंच" अन्तःस्थापित किया जाए। धारा 31 का
संशोधन.
3. मूल अधिनियम की धारा 32 की उप-धारा (1) के परन्तुक में, शब्द "अन्य प्रदेश" के पूर्व, शब्द "इस प्रदेश के एवं" अन्तःस्थापित किया जाए। धारा 32 का
संशोधन.
4. मूल अधिनियम की धारा 32-क की उप-धारा (1) के परन्तुक में, शब्द "अन्य प्रदेश" के पूर्व, शब्द "इस प्रदेश के एवं" अन्तःस्थापित किया जाए। धारा 32-क
का संशोधन.
5. (1) मूल अधिनियम की धारा 32-ख के शीर्षक में, शब्द "तथा निजी किसान उपभोक्ता प्रांगण" के स्थान पर, शब्द "निजी किसान उपभोक्ता प्रांगण तथा निजी ई-व्यापार मंच" प्रतिस्थापित किया जाए। धारा 32-ख
का संशोधन.
 - (2) धारा 32-ख की उप-धारा (1) में, शब्द "निजी किसान उपभोक्ता

- प्रांगण" के पश्चात्, शब्द "तथा निजी ई-व्यापार मंच" अन्तःस्थापित किया जाए।
6. (1) मूल अधिनियम की धारा 33-क के शीर्षक में, शब्द "तथा निजी किसान उपभोक्ता प्रांगण" के स्थान पर, शब्द "निजी किसान उपभोक्ता प्रांगण तथा निजी ई-व्यापार मंच" प्रतिस्थापित किया जाए। धारा 33-क का संशोधन.
- (2) मूल अधिनियम की धारा 33-क की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) में, शब्द "किसान उपभोक्ता उप-मंडी प्रांगण" के पश्चात्, शब्द "निजी ई-व्यापार मंच" अन्तःस्थापित किया जाए।
7. मूल अधिनियम की धारा 34-क की उप-धारा (4) में, शब्द "निजी किसान उपभोक्ता प्रांगण" के पश्चात्, शब्द "या निजी ई-व्यापार मंच" अन्तःस्थापित किया जाए। धारा 34-क का संशोधन.
8. मूल अधिनियम की धारा 39 के खण्ड (पांच) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाए, अर्थात्:- धारा 39 का संशोधन.
- "(पांच-क) मंडी समिति में कार्यरत राज्य मंडी बोर्ड सेवा के अधिकारियों एवं सेवकों के वेतन, भत्ते तथा अन्य संदाय का भुगतान।"
9. (1) धारा 48 में, शब्द "वह दोषसिद्ध पर कारावास से, जिसकी अवधि छः मास तक की हो सकेगी या जुर्माने से, जो पांच हजार रुपये तक का हो सकेगा या दोनों से, दण्डित किया जायेगा" के स्थान पर शब्द "उसके दोषसिद्धि पर पांच हजार रुपये की शास्ति से दण्डित किया जायेगा" प्रतिस्थापित किया जाए। धारा 48 का संशोधन.
- (2) धारा 48 में परन्तुक का लोप किया जाए।
10. मूल अधिनियम की धारा 49 में,- धारा 49 का संशोधन.
- (1) उप-धारा (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-धारा प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्:-
- "(1) जो कोई, धारा 35 के उपबंधों के उल्लंघन में, कोई अप्राधिकृत व्यापारिक छूट देगा या लेगा, वह दोषसिद्धि पर, दो हजार रुपये की शास्ति से दण्डित किया जायेगा तथा पश्चात्वर्ती उल्लंघन की दशा में, पांच हजार रुपये की शास्ति से दण्डित किया जायेगा।"
- (2) उपधारा (2) में, शब्द "जुर्माने" तथा "पांच हजार रुपये तक का

हो सकेगा" के स्थान पर, कमशः शब्द "शास्ति" तथा "पांच हजार रुपये होगा" प्रतिस्थापित किया जाए।

(3) उप-धारा (2) एवं (3) में, शब्द "जुर्माने" तथा "दो हजार रुपये तक का हो सकेगा" के स्थान पर, कमशः शब्द "शास्ति" तथा "दो हजार रुपये होगा" प्रतिस्थापित किया जाए।

(4) उप-धारा (4) के खण्ड (ख) में, शब्द "जुर्माने" तथा "पांच हजार रुपये तक का हो सकेगा" के स्थान पर, कमशः शब्द "शास्ति" तथा "पांच हजार रुपये होगा" प्रतिस्थापित किया जाए।

(5) उप-धारा (5) में, शब्द "जुर्माने" तथा "दो हजार रुपये तक का हो सकेगा" के स्थान पर, कमशः शब्द "शास्ति" तथा "दो हजार रुपये होगा" प्रतिस्थापित किया जाए।

(6) उप-धारा (6) में, शब्द "जुर्माने", "पांच हजार रुपये तक का हो सकेगा" तथा "एक सौ रुपये तक का हो सकेगा" के स्थान पर, कमशः शब्द "शास्ति", "पांच हजार रुपये होगा" तथा "पांच सौ रुपये होगा" प्रतिस्थापित किया जाए,

(7) उप-धारा (7) में, शब्द "जुर्माने" तथा "दो हजार रुपये तक का हो सकेगा" के स्थान पर, कमशः शब्द "शास्ति" तथा "दो हजार रुपये होगा" प्रतिस्थापित किया जाए।

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 16 सितम्बर 2025

क्र. 6217/डी. 133/21-अ/प्रारू./छ.ग./25. - भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी (संशोधन) अधिनियम, 2025 (क्रमांक 24 सन् 2025) का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्र कुमार कश्यप, अतिरिक्त सचिव.

CHHATTISGARH ACT

(No. 24 of 2025)

**THE CHHATTISGARH KRISHI UPAJ MANDI (SANSHODHAN)
ADHINIYAM, 2025.**

An Act further to amend the Chhattisgarh Krishi Upaj Mandi Adhiniyam, 1972 (No.24 of 1973).

Be it enacted by the Chhattisgarh Legislature in the Seventy Six Year of the Republic of India, as follows:-

- | | |
|---|---|
| <p>1. (1) This Act may be called the Chhattisgarh Krishi Upaj Mandi (Sanshodhan) Adhiniyam, 2025.</p> <p>(2) It extends to the whole State of Chhattisgarh.</p> <p>(3) It shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.</p> | <p>Short title,
extent and
commencement.</p> |
| <p>2. In Section 31 of the Chhattisgarh Krishi Upaj Mandi Adhiniyam, 1972 (No. 24 of 1973), (hereinafter referred to as the Principal Act), after the words "Private farmer consumer yards" and before the words "or Terminal Market Complex", the words "or Private E-trading Platform" shall be inserted.</p> | <p>Amendment of
Section 31.</p> |
| <p>3. In proviso of sub-section (1) of Section 32 of the Principal Act, before the words "other State", the words "this State and" shall be inserted.</p> | <p>Amendment of
Section 32.</p> |
| <p>4. In proviso of sub-section (1) of Section 32-A of the Principal Act, before the</p> | <p>Amendment of
Section 32-A.</p> |

words "other State", the words "this State and" shall be inserted.

5. (1) In Heading of Section 32-B of the Principal Act, for the words "and Private farmer consumer yard", the words "Private farmer consumer yard and Private E-trading Platform" shall be substituted. **Amendment of Section 32-B.**
- (2) In sub-section (1) of section 32-B, after the words "Private farmer consumer yard", the words "and Private E-trading Platform" shall be inserted.
6. (1) In Heading of Section 33-A of the Principal Act, for the words "and Private farmer consumer yard", the words "Private farmer consumer yard and Private E-trading Platform" shall be substituted. **Amendment of Section 33-A.**
- (2) In clause (c) of sub-section (1) of Section 33-A of the principal Act, after the words "/farmer consumer sub-market yard", the words "Private E-trading Platform" shall be inserted.
7. In sub-section (4) of Section 34-A of the Principal Act, after the words "Private farmer consumer yard", the words "or Private E-trading Platform" shall be inserted. **Amendment of Section 34-A.**
8. After the clause (v) of Section 39 of the Principal Act, the following clause shall be inserted, namely:- **Amendment of Section 39.**

“(v-a) Payment of salaries, allowances and other payments of officers and servants of the State Mandi Board Service working in the Mandi Samiti.”

9. (1) In Section 48, for the words “on conviction, be punished with imprisonment for a term which may extend to six months or with fine which may extend to five thousand rupees, or with both,” the words “on conviction, be punished with a penalty of five thousand rupees” shall be substituted.

**Amendment of
Section 48.**

- (2) In Section 48, the proviso shall be omitted.

10. In Section 49 of the Principal Act,-

**Amendment of
Section 49.**

- (1) for sub-section (1), the following sub-section shall be substituted, namely:-

“(1) Whoever in contravention of the provisions of Section 35 makes or recovers any unauthorized trade allowance shall on conviction be punished with a penalty of two thousand rupees and in case of subsequent contravention with a penalty of five thousand rupees.”

- (2) in sub-section (2), for the words “fine” and “may extend to five thousand rupees”, the words “penalty” and “will be five thousand rupees” shall be substituted, respectively.

- (3) in sub-section (2) and (3), for the words “fine” and “may extend to two thousand rupees”, the words “penalty” and “will be two thousand rupees” shall be substituted, respectively.
- (4) in clause (b) of sub-section (4), for the words “fine” and “may extend to five thousand Rupees”, the words “penalty” and “will be five thousand rupees” shall be substituted, respectively.
- (5) in sub-section (5), for the words “fine” and “may extend to two thousand rupees”, the words “penalty” and “will be two thousand rupees” shall be substituted, respectively.
- (6) in sub-section (6), for the words “fine”, “may extend to five thousand rupees” and “may extend to one hundred rupees”, the words “penalty”, “will be five thousand rupees” and “will be five hundred rupees” shall be substituted, respectively.
- (7) in sub-section (7), for the words “fine” and “may extend to two thousand rupees”, the words “penalty” and “will be two thousand rupees” shall be substituted, respectively.